

Export Order secured by Indian Consortium for Power Projects from Kenya

+

*1044. SHRI B. K. DASCHOWDHURY :
SHRI V. MAYAVAN :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state the salient features of the export order which has been secured by the Indian Consortium for Power Projects from Tena River Development Company of Kenya ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GEORGE) : The main features of order are :

1. The order comprises design, engineering, supply, erection and commissioning of switchgears, control panels and ancillaries for three electric substations at Juja Road, Kindaruma and Kamburu in Kenya under the Kamburu Hydroelectric Project financed by the World Bank.

2. The value of the contract is over Rs. 60 lakhs.

3. The completion schedule of works at the first station is by September 1973 and others by January 1974.

4. The contract is won against keen competition from the established firms of industrially advanced countries.

SHRI B. K. DASCHOWDHURY : We find from the statement of the hon. Minister that there are two contracts, one to be completed by September 1973 and another by January 1974. In view of these specific contracts I would like to know whether the process of work has already been started and whether they expect to finalise the contract within the time schedule; if not, what are the reasons therefor ?

SHRI A. C. GEORGE : I specifically mentioned three items of this contract work. The work that is scheduled to be over by September 1973 is well in hand and we are quite confident that we will be able to keep to the schedule. Both are on schedule.

SHRI V. MAYAVAN : I would like to know from the Minister whether it is a fact that certain foreign countries have expressed their concern about the quality of Indian products and have stated that the delivery schedules of Indian firms are not satisfactory ? If so, what are the steps taken by the government to improve the delivery schedule and also quality ?

SHRI A. C. GEORGE : I am not sure whether the hon. Member is referring to the Indian Consortium for power projects, because our records are quite good. In fact, in African countries themselves we have so far four major contracts, two in Malawi, one in Tanzania and the fourth, the contract in Kenya. I am happy to inform the House that these countries which have entered into contracts with us are well satisfied with the time schedule as well as the quality of our goods.

Result of the Drive against Corruption

*1047. SHRI BHOGENDRA JHA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) the concrete results of the drive against corruption on various Railways in general and on Samastipur Division of North Eastern Railway in particular;

(b) to what extent and in what form the co-operation of the employees has been sought in this regard; and

(c) the steps proposed to be taken to make the drive successful ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) Sir, the drive against corruption on the Railways which continues to be pursued with vigour has yielded appreciable results. A statement showing the results is placed on the table of the Sabha.

(b) Complaints of corruption or malpractices and/or concrete suggestions helpful in the drive against corruption on the railways, received from any source, are duly looked into and appropriate action taken.

(c) sustained efforts continue to be made to weed out corruption by way of preventive and punitive measures.

Statement

The results of the drive against corrup-

tion can be judged by the following data in regard to the number of cases in which investigations were taken up and completed by the Vigilance Organisation of the Railways during the last two years i.e., 1970-71 and 1971-72 :—

Sl. No.	Particulars	1970-71		1971-72	
		Gaz.	Non-Gaz.	Gaz.	Non-Gaz.
(i)	No. of complaints dropped after enquiry.	207	4201	297	3291
(ii)	No. of complaints taken up for Departmental disciplinary action.	42	1461	51	1377
(iii)	No. in which prosecution was launched in a court of law.	1	49	3	46

The number of officers who were given various punishments during the same period as a result of Vigilance Investigations and follow up action is as under :—

	1970-71	1971-72
Gazetted	38	26
Non-gazetted	1329	1367

With a view to eliminate malpractices etc., preventive checks are carried out in the

different aspects of Railway working. While 10,000 such checks were carried out in 1970-71, as many as 12,542 preventive checks were conducted in 1971-72. These have resulted in appreciable savings by alerting the staff or plugging loopholes in the prevailing procedures and practices.

In so far as North-Eastern Railway is concerned the results of the drive against corruption are as indicated below :

Sl. No.	Particulars	1970		1971	
		N.E. Rail- way as a whole	On Samasti- pur Divi- sion only	N.E. Rail- way as a whole	On Samasti- pur Divi- sion only
(a)	Number of cases referred for Disciplinary action by the Vigilance Organisation	474	118	384	122
(b)	Number of staff punished	169	32	262	50

श्री भोगेन्द्र झा : अध्यक्ष महोदय, जो मेरा सवाल था उसका उत्तर मंत्री महोदय गोल कर गये हैं। सवाल का (ख) भाग यह है :

“इस संबंध में कर्मचारियों से कितने तथा किस प्रकार से सहयोग की अपेक्षा ही गई है।”

इस चीज का उन्होंने जिक्र नहीं किया। जो सूचना मिलेगी उस पर कार्यवाही करेंगे।

जो रेल को चलाने वाले कर्मचारी हैं विभिन्न वर्गों के, वह संगठित भी है। तो संगठित ट्रेड यूनियन आन्दोलन से और कर्मचारियों से किस प्रकार के सहयोग की अपेक्षा की गई है और पाई गई है? क्या यह भी सब है कि कर्मचारियों के एक हिस्से को जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ता है और सूचना देता है उसको बदले में सजा दी जाती है, जैसा मानसी में हुआ था, समस्तीपुर में हुआ था। वहाँ पर लोगों को सजा दी गई है।

श्री मुहम्मद शाफी कुरेशी रेलवे में करप्शन को रोकने के लिये जिस सोर्स से मदद मिलती है हम कबूल करते हैं। यह सही बात है कि कर्मचारियों ने बहुत जगहों पर इस बात का इजाहार किया है कि वह करप्शन को दूर करने में रेलवे की मदद करेंगे। और हम हर वक्त उसको लेने के लिये तैयार हैं। बाकी रहा यह कि जो करप्शन को हटाने में रेलवे की मदद करते हैं उनको विक्रिमाइज किया जाता है, यह बात गलत है।

श्री भोगेन्द्र झा मैं जानना चाहता हूँ कि सगठित मजदूर आन्दोलन से सहयोग लेने की उनकी कोई नीति है या नहीं। सूचना जो दी जायेगी वह तो ली ही जायेगी, लेकिन सगठित मजदूर आन्दोलन से, रेलवे एम्प्लॉयीज्स यूनियन से सहयोग लेने की उनकी नीति है या नहीं ?

श्री मुहम्मद शाफी कुरेशी इस बात का ऐलान एक दफा नहीं, कई दफे किया गया है कि आर्गनाइज्ड लेबर यूनियन्स हमें मदद करें करप्शन को हटाने में और रेलवे मिनिसटर ने तो इस हद तक कह दिया है कि जिनकी इसमें रेलवे की बचत होगी वह सब की सब मजदूरों को तकसीम कर दी जायेगी।

श्री भोगेन्द्र झा मैं पूछना चाहता हूँ कि भ्रष्टाचार से लड़ने में मजदूर यूनियनों के साथ सहयोग करने के लिये कोई सयुक्त समिति विभिन्न स्तरों पर बनाई जा रहा है या नहीं प्रबन्धक और मजदूर यूनियनों के साथ या उनके चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ ? और क्या मंत्री महोदय को इस बात की सूचना है कि खासकर बरोनी गडहरा यार्ड में आर० पी० एफ० के पर्सेनल और आफिसर्स

अध्यक्ष महोदय आप कहीं इधर उधर की बातें आते हैं, आप सबाल पूछिये।

श्री भोगेन्द्र झा मैंने पूछा है कि क्या सरकार को पता है कि बरोनी गडहरा यार्ड से माल की चोरी कराने में आर० पी० एफ० के

जवान और आफिसर राइफल के साथ चोरी करा कर माल ले जाते हैं, और जो उसको रोकने की हिम्मत वा हिमाकत करता है उसको खिलाफ उस शस्त्र का इस्तेमाल करते हैं। पिछले पन्द्रह दिनों में बड़े पैमाने पर यह चोरियाँ हुई हैं, क्या यह सच है ?

श्री मुहम्मद शाफी कुरेशी हमारा पास इस तरह की कोई खबर नहीं पहुँची है।

श्री भोगेन्द्र झा : मैंने सयुक्त समिति के बारे में पूछा था . .

अध्यक्ष महोदय : आप सीधा मयाल कीजिये जिससे मिनिसटर साहब जवाब दे सके। आप इधर से उधर और उधर से इधर चले जाते हैं तब वह जवाब कैसे दे सकत है ?

श्री भोगेन्द्र झा : मैंने सयुक्त समिति के बारे में पूछा था। मैंने बार बार रिपीट कर रहा हूँ . .

अध्यक्ष महोदय : आप इधर उधर क्यों चले जाते हैं ?

श्री भोगेन्द्र झा : मैंने बार बार रिपीट किया है और मिनिसटर साहब उसको टाल रहे हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या कोई सयुक्त समिति बनाने की योजना है ?

श्री मुहम्मद शाफी कुरेशी : समिति बाई नहीं बनाई गई है। लेकिन हम हर वक्त आर्गनाइज्ड लेबर यूनियनों में कोआपरेशन लेने के लिये तैयार हैं। इसमें कोई गैरराज हम नहीं है।

श्री राम सहाय पांडे : मिनिसटर साहब मेरी राय से मुत्तफिक होगे कि सबसे ज्यादा करप्शन गुड्स ट्रेन और वॉगन मप्लान्ड में होता है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या कोई विजिलेंस डिपार्टमेंट बनाया गया है जो जब पच्चीस या पचास वॉगन लिये जाते हैं वह उनमें होने वाले करप्शन की जानकारी रखे।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : रेलवे के पास कोई फुल-फ़नेज्ड विजिलेंस तो नहीं है, लेकिन जहाँ से करप्शन की शिकायतें आती हैं, जो सैसिटिव एरियाज़ हैं जहाँ चोरी होने का ज्यादा इमकान है वहाँ काफी तादाद में विजिलेंस के लोग रहते हैं जिससे वहाँ की देख भाल हो सके।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मंत्री महोदय ने कहा कि वह रिकग्नाइज्ड यूनियन्स से सहयोग लेने के लिये तैयार हैं।

श्री भोगेन्द्र झा : उन्होंने रिकग्नाइज्ड नहीं आर्गनाइज्ड कहा है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या इसका यह अर्थ नहीं है कि जो रिकग्नाइज्ड यूनियन्स नहीं हैं लेकिन आर्गनाइज्ड हैं केवल उनका ही सहयोग लिया जायेगा ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : अगर करप्शन और चोरी रोकने के मामले में कोई हमारी मदद करेगा तो उसको लेने से हमें कोई इन्कार नहीं है।

Proposal for running a Fast Diesel Train between Delhi and Mysore

*1048. SHRI C JANARDHANAN : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government have any proposal under consideration to run a fast diesel train on the metre-gauge between Delhi and Mysore if necessary by strengthening the track; and

(b) if so, when it will be implemented ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

SHRI C. JANARDHANAN : Since the metre gauge line is about 100 kilometres shorter than the present B. O. route, and since it is better to divert the number of

passengers from the B. G. route, will the Government reconsider their present stand ?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : The hon. Member has asked the question of speeding up trains on the metre gauge. It would not be possible to speed up trains on the metre gauge as it involves loss of time to the extent of 30 to 40 per cent. There is no question of speeding up trains at this stage.

SHRI C. JANARDHANAN : If you are going to put up a diesel engine, how is it we are going to lose time ?

MR. SPEAKER : Do not go into arguments.

SHRI C. JANARDHANAN : I want the explanation from the Minister.

SHRI MOHD SHAFI QURESHI : It is not a question of putting up a diesel engine. It is a question of availability of track. Normally it is a single line and there are lots of crossings. That is where the time is lost. It is not a question of putting up a diesel engine because we cannot speed up these trains.

Industries Facing Crisis in West Bengal due to Wagon Shortage

+
*1049. SHRI SAMAR GUHA :
SHRI M S SIVASAMY :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there has been wagon shortage in West Bengal due to which industrial production in the State is threatened with serious disruption; and

(b) if so, the extent, nature and causes of wagon shortage and the steps taken by Government in this regard ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) Though the number of wagons loaded for destinations in West Bengal during the last few months had been